BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 07.10.2024, PAGE-04

संबद्ध कालेजों के शिक्षक नहीं बन सकेंगे रिसर्च सुपरवाइजर

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब संबद्ध कालेजों के शिक्षक रिसर्च सुपरवाइजर नहीं बन सकेंगे। विश्वविद्यालय या कालेज के नियमित प्रोफेसर या एसोसिएट प्रोफेसर जिन्होंने यूजीसी केयर-स्कोप्स-एससीआइ जर्नल में कम से पांच शोध का प्रकाशन हुआ वे ही सुपरवाइजर बन सकेंगे। वहीं विश्वविद्यालय या कालेज के नियमित असिस्टेंट प्रोफेसर जिनका प्रोबेशन अवधि समाप्त होने के बाद दो वर्ष का अनुभव हो और जिन्होंने यूजीसी केयर -पीयर रीव्युड - रेफर्ड जर्नल में दो शोध पत्र का प्रकाशन कराया हो। विश्वविद्यालय की ओर से पहली बार गाइड होने के लिए शैक्षणिक अर्हता निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय ने रिसर्च पालिसी जारी कर दी है। इसमें पीएचडी के लिए कुल 14 विभिन्न बिंदुओं का जिक्र किया गया है। पीएचडी प्रोग्राम में नामांकन या प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन के बाद शोधार्थियों को कोर्स वर्क में पास करना अनिवार्य होगा। पहले वर्ष रिसर्च मेथडालजी, कंप्यूटर एप्लीकेशन और संबंधित विषय से जुड़ा पत्र पढ़ना होगा। विभागों में कोर्स वर्क कराने के लिए अलग से कोई भी पीएचडी को- आर्डिनेटर का पद नहीं होगा।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने जारी की रिसर्च पालिसी की अधिसूचना, पहली बार गाइड के लिए अर्हता की गई निर्धारित

ऐसा होगा शुल्क का निर्धारण

परीक्षा पूर्व विवरण

आवेदन शुल्क - तीन हजार (सामान्य), ओबीसी, एससी, एसटी, महिला, ईबीसी और ईडब्ल्यूएस - दो हजार।

परीक्षा के बाद

- चयन के बाद नामांकन शुल्क - दो हजार
- पीएचडी रजिस्ट्रेशन शुल्क - चार हजार
- प्लेगरिज्म फीस - एक हजार
- थीसिस सब्मिशन फीस - आठ हजार
- लेट सब्मिशन फीस - दो हजार प्रति वर्ष
- डिग्री - 400 रुपये

पीएचडी डिग्री पूरी करने के लिए कम से कम 12 और अधिक से अधिक 16 क्रेडिट प्राप्त करना अनिवार्य होगा। पीजी विभागाध्यक्ष शोधार्थियों को विशेषज्ञता के साथ फैकल्टी की सूची देंगे। शोधार्थियों को यह विकल्प मिलेगा कि वे विभागाध्यक्ष को सुपरवाइजर के लिए तीन नाम का चयन कर उपलब्ध कराएंगे। सुपरवाइजर का नाम कोर्स वर्क के पहले महीने में तय किया जाएगा ताकि शोधार्थी अपने शोध की शुरुआत कर सके। प्रोफेसर अपने अधीन आठ से अधिक शोधार्थियों को रिसर्च नहीं करा सकेंगे। इसी तरह एसोसिएट प्रोफेसर बतौर रिसर्च सुपरवाइजर छह शोधार्थी को गाइड कर सकेंगे। इसी तरह असिस्टेंट प्रोफेसर केवल चार शोधार्थी के लिए ही रिसर्च सुपरवाइजर बन सकेंगे। सुपरवाइजर को अपने अधीन पंजीकृत पीएचडी शोधार्थियों की संख्या समय - समय पर विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराएंगे। सुपरवाइजर दूसरे विश्वविद्यालयों से मान्यता का उपयोग कर शोधार्थियों की संख्या नहीं बढ़ा सकेंगे। थीसिस जमा होने के बाद रिक्तियों की गणना की जाएगी। सेवानिवृत्ति के बाद शिक्षक नए छात्रों का पर्यवेक्षण नहीं कर सकेंगे।

पर्यवेक्षक के सेवानिवृत्ति के मामले में शोधार्थी सह पर्यवेक्षक आवंटित करने का अनुरोध कर सकता है। डीआरसी में विभाग के सभी प्रोफेसर, एक एसोसिएट प्रोफेसर और एक सहायक प्रोफेसर शामिल होंगे। कोर्स वर्क की समाप्ति के बाद अनुसंधान के विषय/विषयवस्तु और सारांश का सुझाव देते हुए उसे अंतिम रूप दिया जाएगा। डीआरसी की अनुशंसा पर शोधार्थी का रजिस्ट्रेशन रद भी हो सकता है। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पीएचडी पालिसी 2024 के सभी नियम पैट 2023 से ही प्रभावी हो जाएंगे। कुलसचिव ने सभी विभागाध्यक्षों को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी है।

स्नातक के बाद भी कर सकेंगे शोध: चार वर्षीय स्नातक कोर्स के बाद भी छात्र अब सीधे शोध कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें स्नातक में रिसर्च के साथ डिग्री पूरा करने के साथ-साथ कम से कम 75 फीसदी अंक या समतुल्य ग्रेड लाना अनिवार्य है। इस प्रक्रिया से एक वर्ष की बचत होगी। पहले तीन वर्ष स्नातक और दो वर्ष पीजी के बाद पीएचडी करने की अर्हता हासिल होती थी। अब चार वर्षीय स्नातक से एक वर्ष की बचत होगी।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE : 07.10.2024, PAGE-05

बड़ा बदलाव • बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पीएचडी पॉलिसी 2024 लागू, बचेगा एक साल

अब 4 वर्षीय स्नातक में 8 सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद बगैर पीजी किए कर सकेंगे पीएचडी

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

सीबीसीएस के साथ 4 वर्षीय स्नातक कोर्स करने के बाद छात्र सीधे पीएचडी के लिए आवेदन कर सकेंगे। अब तक 3 साल ग्रेजुएशन और 2 साल पीजी यानी 5 साल की पढ़ाई के बाद पीएचडी में एडमिशन होता है। लेकिन, 4 वर्षीय स्नातक कोर्स में 8 सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद यह सुविधा मिल सकेगी। इससे छात्रों के एक साल की बचत होगी। हालांकि, इसके लिए स्नातक में कम से कम 75 फीसदी अंक लाना जरूरी होगा।

पैट 2023 से ही प्रभावी हो जाएंगे सभी नियम, इसी साल होनी है प्रवेश परीक्षा

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पीएचडी पॉलिसी 2024 के सभी नियम पैट 2023 से ही प्रभावी हो जाएंगे। कुलसचिव की ओर से सभी विभागाध्यक्षों को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी गई है। विश्वविद्यालय में अभी पैट 2023 की प्रक्रिया आवेदन के बाद से ही पेंडिंग है। हालांकि पैट 2022 की फाइनल लिस्ट जारी करने के बाद इसमें आवेदन के लिए एक बार फिर से पोर्टल खोलने की बात कही गई है। कोर्स वर्क व गाइड एलॉटमेंट के बाद क्लीयर हो जाएगा कि कितनी सीटें बची हैं। उसके 50 फीसदी के लिए पैट 2023 का आयोजन किया जाएगा।

पीजी स्तर पर पीएचडी के लिए आवेदन के लिए 55 फीसदी न्यूनतम अंक निर्धारित है। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय सहित राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में पिछले सत्र से ही 4 वर्षीय स्नातक कोर्स लागू है। यह सत्र 2027 में पूरा होगा। वहीं, विश्वविद्यालय में पीएचडी पॉलिसी 2024 भी लागू कर दी गई है। इसमें पीएचडी में एडमिशन के लिए योग्यता के तौर पर 4 वर्षीय स्नातक कोर्स को भी शामिल किया गया है। खास बात यह है कि कुल खाली सीट का 50 फीसदी विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षा से भरा जाएगा। इसमें पैट के साथ ही एग्जम्प्टेड कोटे के अभ्यर्थी भी शामिल होंगे। वहीं, 50 फीसदी सीट पर यूजी नेट, यूजीसी सीएसआईआर नेट, गेट व सीड सहित अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के स्कोर के आधार पर एडमिशन लिया जाएगा। सभी विभागों में आरक्षण रोस्टर के अनुसार सीटों का बंटवारा होगा। किसी विभाग में सीट के अनुसार अभ्यर्थी नहीं मिलेंगे, तब पैट से भरा जाएगा।

पीएचडी के लिए लगेगी 15 हजार रुपए फीस

पीएचडी के लिए सेलेक्शन होने के बाद कुल 15 हजार रुपए फीस लगेगी। इसमें फाइनल सेलेक्शन के बाद एडमिशन फीस 2 हजार रुपए व रजिस्ट्रेशन फीस 4 हजार रुपए है। वहीं, प्लेगरिज्म टेस्ट के लिए 1 हजार रुपए, थिसिस सबमिशन फीस 8 हजार रुपए देने होंगे। वहीं निर्धारित अवधि से थिसिस सबमिट करने में विलंब होने पर 2 हजार रुपए वार्षिक देने होंगे, जबकि डिग्री के लिए 400 रुपए फीस लगेगी। आवेदन के लिए जनरल कैटेगरी के अभ्यर्थियों को 3 हजार रुपए और ओबीसी, एससी-एसटी, ईबीसी, ईडब्ल्यूएस व महिलाओं को 2 हजार रुपए लगेंगे।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR

DATE : 07.10.2024, PAGE-05

पीजी हॉस्टल-विभागों की मरम्मत व पेंटिंग पर खर्च होंगे 1.12 करोड़

मुजफ्फरपुर | बीआरए बिहार विवि में पीजी हॉस्टल व विभागों की मरम्मत और रंग-रोगन पर 1.12 करोड़ से अधिक खर्च किए जाएंगे। बिल्डिंग कमेटी और सिंडिकेट से स्वीकृति के बाद इन कार्यों के लिए टेंडर निकाला गया है। कई एजेंसियों ने टेंडर डाला है। सोमवार को दोपहर 3 बजे इंजीनियरिंग सेक्शन में एजेंसियों के प्रतिनिधि के समक्ष टेंडर खोलकर निर्माण व मरम्मत कार्य के लिए एजेंसी का चयन किया जाएगा। विवि की ओर से कुल 11 कार्यों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें पीजी ब्वॉयज हॉस्टल वन के बाथरूम रीनोवेशन के लिए 7.20 लाख, बाहरी मरम्मत व पेंटिंग के लिए 6.08 लाख व आंतरिक मरम्मत व पेंटिंग के लिए 7.86 लाख का बजट है। वहीं कम्युनिटी हाल के रीनोवेशन व रिपेयर पर 14.93 लाख, एकेडमिक स्टाफ कॉलेज में बाथरूम रिपेयर व पेंटिंग 5.93 लाख और प्रशासनिक भवन में इंटीरियर रिपेयर व पेंटिंग पर 14.98 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा केमिस्ट्री विभाग के लिए 14.99 लाख, हिंदी विभाग के लिए 10.70 लाख, बॉटनी विभाग के लिए 14.31 लाख, लैंग्वेज ब्लॉक के लिए 14.98 लाख और कॉमर्स डिपार्टमेंट के लिए 14.99 लाख रुपए का प्रस्ताव तैयार किया गया है। विवि में 1.12 करोड़ से अधिक के टेंडर पर कइयों की नजर गड़ी है। कई दिनों से खींचतान भी चल रही है। इसको लेकर पिछले सप्ताह विवि कैंपस में ही विवाद हुआ था। इसको लेकर विवि प्रशासन अलर्ट है। कहा जा रहा है कि सोमवार को टेंडर खुलेगा, तो उस समय भी दबाव बनाने की कोशिश की जाएगी। ऐसे में सुरक्षा संबंधी सभी इंतजाम किए जाएंगे। दोपहर 3 बजे से इंजीनियरिंग सेक्शन में टेंडर खुलना है। विवि की ओर से कहा गया है कि टेंडर डालने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि मौके पर मौजूद रहेंगे।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 07.10.2024, PAGE-06

नये सत्र से विश्वविद्यालय प्रशासन ने किया है फैसला, विभागाध्यक्षों को भेजा गया पत्र

दूसरे विवि के विद्यार्थी भी अब पढ़ सकेंगे बीआरएबीयू में हुए शोध

नई व्यवस्था

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू के छात्रों की थीसिस अब दूसरे विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भी पढ़ सकेंगे। छात्रों की थीसिस इंफ्लीबनेट पोर्टल पर डाली जायेगी, जिससे थीसिस ऑनलाइन हो जायेगी। नये सत्र से विवि प्रशासन ने यह फैसला किया है। इस बारे में रजिस्ट्रार प्रो. अपराजिता कृष्णा ने सभी विभागाध्यक्षों को पत्र भी भेज दिया है।

बीआरएबीयू में पैट 2023 से रिसर्च की नीति में बदलाव किया गया है। इसके तहत परीक्षा नियंत्रक को सभी शोधकर्ताओं का डाटा व सभी थीसिस की जानकारी रखनी होगी। विवि में नई शिक्षा नीति के तहत छात्रों से शोध कराया जायेगा। इस बारे में राजभवन से भी दिशा-निर्देश जारी किया गया है। बीआरएबीयू की नई शोध नीति में कहा गया है कि अगर छात्र के शोध का विषय दो संकायों से जुड़ता है तो विभाग छात्र के लिए को-सुपरवाइजर की नियुक्ति भी कर सकता है। विवि का जिस विवि से एमओयू हुआ है, वहां से भी को-गाइड आ सकते हैं। यह को-गाइड सह प्राध्यापक की रैंक से कम नहीं होंगे। रिसर्च सुपरवाइजर अगर प्राध्यापक रैंक के हैं तो आठ से अधिक शोधार्थियों के गाइड नहीं बन सकते। एसोसिएट प्रोफेसर छह छात्रों के गाइड बन सकते हैं और सहायक प्राध्यापक चार छात्रों के गाइड बन सकते हैं। छात्र के सुपरवाइजर का बदलाव विभागीय रिसर्च काउंसिल और वीसी के अनुमोदन के बाद होगा।

लगातार प्रगति रिपोर्ट नहीं तो रजिस्ट्रेशन होगा कैंसिल

छात्र शोध की प्रगति नहीं बताता है तो विभागीय रिसर्च काउंसिल उसका रजिस्ट्रेशन कैंसिल कर सकता है। अगर विद्यार्थी का शोध संतोषजनक नहीं है तो भी उसका रजिस्ट्रेशन विभागीय रिसर्च काउंसिल रिजेक्ट कर सकता है।

थीसिस जमा करने से पहले देना होगा प्रेजेंटेशन

छात्र को थीसिस जमा करने से पहले सेमिनार के जरिए पीपीटी प्रेजेंटेशन देना होगा। सेमिनार की जानकारी विवि की वेबसाइट पर एक हफ्ते पूर्व डालनी होगी। विभागीय रिसर्च काउंसिल रिसर्च का टाइटल सुपरवाइजर के मंतव्य से बदल सकती है।

विभागों से मांगी गई पीएचडी 2021 की रिक्तियां

रजिस्ट्रार ने विभागाध्यक्षों को पत्र लिखकर पैट 2021 के लिए रिक्तियां मांगी हैं। विभागों को यह रिक्तियां 15 अक्टूबर तक विवि में जमा कर देनी है। बीआरएबीयू में पैट 2021 के छात्रों को अब तक गाइड नहीं मिला है, जिससे उनका शोध शुरू नहीं हो पा रहा है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 07.10.2024, PAGE-04

बिहार विस के अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने सेंटर का किया उद्घाटन

विवि के हेल्थ सेंटर में छात्रों, शिक्षकों व कर्मियों का होगा मुफ्त इलाज

□ विवि के एलुमनाई एसोसिएशन के कार्यालय का भी शुभारंभ

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के हेल्थ सेंटर में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व कर्मचारियों का निशुल्क इलाज होगा. यहां प्रत्येक कार्य दिवस को सुबह आठ से शाम चार बजे तक ओपीडी का संचालन होगा. सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक डॉक्टर उपस्थित रहेंगे.

ये बातें हेल्थ सेंटर के उद्घाटन के मौके पर कुलपति प्रो डीसी राय ने कहीं. विवि में करीब 20 वर्षों से सेंटर बंद पड़ा हुआ था. बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने फीता काटकर हेल्थ सेंटर शुरू किया. उन्होंने कहा कि यह सराहनीय पहल है. केंद्रीय पुस्तकालय परिसर में एलुमनाइ एसोसिएशन के कार्यालय का भी उद्घाटन किया. इसके बाद सीनेट सभागार में महात्मा गांधी की जयंती पर समारोह हुआ.

स्वागत भाषण कुलानुशासक प्रो बीएस राय ने दिया. चार्टर्ड एकाउंटेंट सह भारत विकास परिषद से जुड़े केके चौधरी ने कहा कि परिषद का विश्वविद्यालय के साथ करार हुआ है. यहां सुबह 8 से शाम 4 बजे तक हेल्थ सेंटर का संचालन होगा. सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक डॉक्टर वहां रहेंगे. छात्र-छात्राओं, शिक्षक और कर्मचारियों से किसी भी प्रकार के इलाज का शुल्क नहीं लिया जायेगा.

समारोह में मौजूद विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, कुलपति व अन्य.

इलाज, ऑपरेशन सबकुछ निःशुल्क : पूर्व मंत्री

पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा ने कहा कि स्वस्थ लोग ही शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं. शिक्षकों, कर्मियों व छात्र-छात्राओं को इलाज से ऑपरेशन तक की निशुल्क व्यवस्था की जाएगी. इसके लिए ये अपने मेडिकल कॉलेज से बेस्ट डॉक्टर को यहां डियूट करेंगे. मुख्य वक्ता बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कहा कि दिखावटी स्वच्छता से लाभ नहीं होगा. स्वच्छता स्वभाव में होना चाहिए. स्वच्छता होगी तो जितना खर्च दवाओं पर हो रहा है, वह आधा हो जायेगा.

जांच और फिजियोथेरेपी भी इसीएचएस दर पर होगी. यानी जो मरीज यहां से रेफर होंगे उन्हें प्रसाद हास्पिटल में 50 प्रतिशत डिस्काउंट मिलेगा. परिषद की ओर से हर संभव मदद की जायेगी. संचालन प्रो राजेश्वर कुमार व धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो अपराजिता कृष्णा ने किया.

ये थे मौजूद

मौके पर एलुमनाइ एसोसिएशन के संयोजक संजय सिन्हा, आइक्यूएसी के निदेशक प्रो कल्याण झा, प्रो ओपी राय, प्रो ममता रानी, प्रो इंदुधर झा, प्रो कुसुम, प्रो विनीता वर्मा, प्रो रेणु, प्रो रजनीश गुप्ता, प्रो पंकज, प्रो टीकेडे, प्रो पंकज राय, डॉ सुनील, डॉ विनोद बैठा, डॉ सुशांत, डॉ निवाकी लाहा, डॉ विकास, डॉ अमर बहादुर शुक्ला, डॉ संतोष अनल, डॉ विदिशा मिश्रा, डॉ रमेश विश्वकर्मा, डॉ पायोली, डॉ शशि पासवान, राजकुमार पासवान, डॉ अविनाश समेत अन्य मौजूद रहे.

महीने में एक दिन झाड़ू लगाएंगे कुलपति

कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने कहा कि हेल्थ सेंटर कूड़े से भरा हुआ था. बहुत कम समय में इसे रेनोवेट किया गया. अब यहां इलाज की सुविधा भी मिलने लगेगी. उन्होंने कहा कि शहरों को विकसित करने और स्वच्छ रखने के लिए नयी तकनीक को एडॉप्ट करना चाहिए. गांधी जयंती के मौके पर उन्होंने संकल्प लिया कि वे प्रत्येक रविवार को एनएसएस के सहयोग से झाड़ू लगाएंगे. एनएसएस कोऑर्डिनेटर को बोला गया है कि वे विभागों का चयन पहले कर लेंगे. प्रत्येक रविवार को एक-एक पीजी विभाग की सफाई की जाएगी. कार्यक्रम के दौरान हेल्थ सेंटर में सेवा देने वाले डॉ राजेश जायसवाल व डॉ वैभव को विधानसभा अध्यक्ष ने सम्मानित किया.

कुलपति ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया. कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय के नेतृत्व में स्वच्छता रैली सह सफाई अभियान चलाया गया. इसमें विभिन्न कॉलेजों से स्वयंसेवकों ने भाग लिया. समन्वयक डॉ विकास ने बताया कि वीसी ने स्वयं झाड़ू लगाकर संदेश दिया. इस दौरान डॉ रमेश विश्वकर्मा, डॉ पायोली, डॉ आशीक निगम, डॉ अनुराधा सिंह, डॉ शारदानंद सहनी, डॉ संतोष, डॉ पंकज, डॉ उमेश श्रीवास्तव समेत अन्य मौजूद रहे.